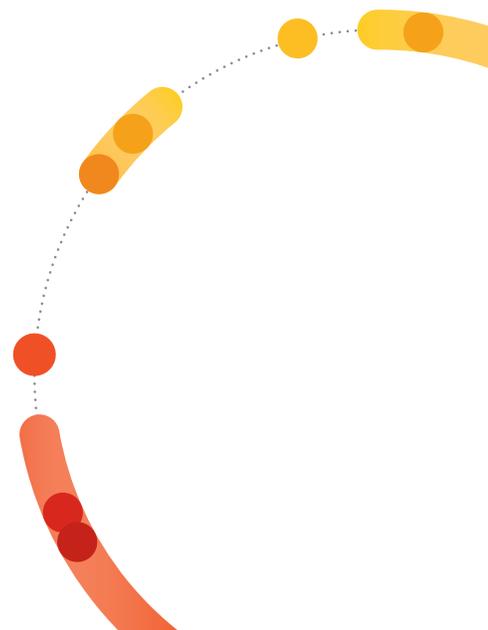


Google

# एआई से जुड़े सिद्धांत

फ़ायदेमंद एआई बनाने के उद्देश्य



## ज़िम्मेदारी: हमारे सिद्धांत

हमें एआई और इसकी क्षमता को लेकर काफ़ी उम्मीदें हैं, लेकिन इस तरह की ऐडवांस टेक्नोलॉजी कई मुश्किल चुनौतियां खड़ी कर सकती हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सोची-समझी और कारगर रणनीति बनाने की ज़रूरत है। एआई से जुड़े हमारे सिद्धांत, ज़िम्मेदारी से टेक्नोलॉजी को बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। साथ ही, इनसे यह तय होता है कि हम इनका इस्तेमाल किन कामों के लिए नहीं करेंगे।

### एआई को इस्तेमाल करने के उद्देश्य

#### 1. सामाजिक तौर पर फ़ायदेमंद होना।

अब ज़्यादा से ज़्यादा लोग नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए, समाज पर इसका असर भी बढ़ता जा रहा है। बेहतर होती जा रही एआई टेक्नोलॉजी से कई सेक्टर में बड़ा बदलाव आएगा। इनमें स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षा, ऊर्जा, परिवहन, निर्माण, और मनोरंजन जैसे सेक्टर शामिल हैं। जहां एक तरफ़ हम एआई टेक्नोलॉजी को विकसित करने और इसके अलग-अलग इस्तेमाल की संभावनाओं पर काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ़ हम समाज और अर्थव्यवस्था पर इसके असर का भी आकलन कर रहे हैं। हम सिर्फ़ उन कामों के लिए एआई टेक्नोलॉजी को विकसित करेंगे जिनमें इसके फ़ायदे, जोखिमों और समस्याओं के मुकाबले कहीं ज़्यादा हों।

एआई बड़े पैमाने पर कॉन्टेंट को समझने की हमारी क्षमता को भी बढ़ाता है। हम एआई का इस्तेमाल करके, अच्छी क्वालिटी वाली और सटीक जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने की कोशिश करेंगे। हम जिन देशों में काम करते हैं वहां के सांस्कृतिक, सामाजिक, और कानूनी दायरे में रहकर ऐसा करेंगे। इसके अलावा, हम इस पर सोच-समझकर फ़ैसला लेंगे कि इन एआई टेक्नोलॉजी को गैर-व्यावसायिक मकसद से इस्तेमाल करने के लिए, कब उपलब्ध कराया जाए।

#### 2. गलत मापदंड तय करने या थोपने से बचना।

एआई एल्गोरिदम और डेटासेट, गलत मापदंडों का पता लगा सकते हैं, उन्हें कम या ठीक कर सकते हैं। हमारा मानना है कि सही और गलत मापदंडों के बीच अंतर करना हमेशा आसान नहीं होता है। साथ ही, ये मापदंड अलग-अलग संस्कृतियों और समाजों में एक जैसे नहीं होते। हमारी कोशिश रहेगी कि लोगों पर इसका गलत प्रभाव न पड़े। खास तौर पर, ऐसे लोगों पर जो नस्ल, जाति, लिंग, राष्ट्रियता, आय, सेक्शुअल ओरिएंटेशन (यौन रुझान), क्षमता, और राजनैतिक या धार्मिक आस्था के आधार पर संरक्षित समूह का हिस्सा हैं।

#### 3. सुरक्षा देने वाली भरोसेमंद तकनीक।

हम ऐसी टेक्नोलॉजी बनाते और इस्तेमाल करते रहेंगे जिनसे बेहतर सुरक्षा की गारंटी मिले और नुकसान पहुंचाने वाले अनचाहे नतीजों से बचा जा सके। हम अपने एआई सिस्टम को इस तरह डिज़ाइन करेंगे कि वह अलर्ट मोड में काम करे। साथ ही, इस सिस्टम को एआई सुरक्षा से जुड़ी रिसर्च के सबसे सही तरीकों के मुताबिक विकसित किया जाएगा। जिन मामलों में ज़रूरत होगी, हम एआई टेक्नोलॉजी की जांच करेंगे। यह जांच, सीमित संसाधनों के बीच की जाएगी, जिसमें इनके डिप्लॉयमेंट और काम करने के तरीकों पर लगातार नज़र रखी जाएगी।

#### 4. लोगों के प्रति जिम्मेदार होना.

हम ऐसे एआई सिस्टम बनाएंगे जिसमें लोगों को सुझाव/शिकायत/राय देने, व्याख्या करने, और अपील करने के उचित मौके मिलें. हमारी एआई टेक्नोलॉजी को इंसान कंट्रोल कर पाएंगे और निर्देश दे पाएंगे.

#### 5. निजता के नियमों को ध्यान में रखकर टेक्नोलॉजी बनाना.

एआई टेक्नोलॉजी को बनाते और इनका इस्तेमाल करते समय, हम निजता के नियमों को ध्यान में रखेंगे. इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वालों को डेटा के इस्तेमाल की सूचना दी जाएगी और उनसे सहमति ली जाएगी. निजता की सुरक्षा के उपायों को बढ़ावा दिया जाएगा. इसके अलावा, इसकी उचित जानकारी दी जाएगी कि डेटा का इस्तेमाल कहां किया जा सकता है और लोगों का उनके डेटा पर पूरा कंट्रोल होगा.

#### 6. विज्ञान के बेहतरीन मानकों को पूरा करना.

टेक्नोलॉजी से जुड़ी किसी भी खोज के पीछे विज्ञान होता है. साथ ही, मन में उठने वाले सवालों, तथ्यों के आधार पर जांच-परख और आपसी सहयोग से कोई नई टेक्नोलॉजी तैयार हो पाती है. एआई टूल इसमें हमारी काफ़ी मदद कर सकते हैं. इन टूल में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, और पर्यावरण विज्ञान जैसे अहम क्षेत्रों में वैज्ञानिक शोध करने और नई-नई जानकारी सामने लाने की क्षमता है. एआई को विकसित करने के साथ ही, हमें उम्मीद है कि हम विज्ञान के क्षेत्र में बेहतरीन उपलब्धि हासिल कर सकते हैं.

#### 7. नियमों को ध्यान में रखते हुए, एआई टेक्नोलॉजी को काम के लिए उपलब्ध कराना.

अलग-अलग टेक्नोलॉजी का कई तरीकों से इस्तेमाल किया जाता है. हम ऐसे ऐप्लिकेशन के असर को कम करने के लिए काम करेंगे जो खतरनाक हो सकते हैं और गलत इरादे से इस्तेमाल किए जा सकते हैं. एआई टेक्नोलॉजी को बनाने और उन्हें डिप्लॉय करते समय, हम इन चीज़ों के आधार पर समीक्षा करेंगे कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कहां किया जा सकता है:

- मुख्य उद्देश्य और इस्तेमाल: टेक्नोलॉजी और ऐप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य क्या है इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से किस काम के लिए किया जाना है. इसके अलावा, क्या इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है
- टेक्नोलॉजी किस तरह की है और उसकी खासियत क्या है: क्या हम ऐसी टेक्नोलॉजी उपलब्ध करा रहे हैं जो खास है या यह सामान्य रूप से उपलब्ध है
- पैमाना: क्या इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से बड़ा बदलाव आएगा
- Google की इसमें क्या भूमिका होगी: हम अलग-अलग कामों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टूल मुहैया करा रहे हैं, ग्राहकों के लिए टूल इंटीग्रेट कर रहे हैं या ग्राहक की ज़रूरत के मुताबिक समस्या का समाधान दे रहे हैं

## एआई का इस्तेमाल किन कामों के लिए नहीं किया जाएगा

ऊपर बताए गए उद्देश्य के अलावा, हम इस तरह के कामों के लिए एआई को डिज़ाइन या डिप्लॉय नहीं करेंगे:

1. ऐसी टेक्नोलॉजी जिनकी वजह से बहुत ज़्यादा नुकसान होगा या हो सकता है. ऐसे मामलों में जहां आर्थिक नुकसान का खतरा हो सकता है. हालांकि, ऐसे कुछ मामलों में हम टेक्नोलॉजी उपलब्ध करा सकते हैं जहां हमें लगे कि टेक्नोलॉजी से होने वाले फ़ायदों के मुकाबले खतरे काफ़ी कम हैं. इसके लिए, हम सुरक्षा के सही उपायों को अपनाएंगे.
2. ऐसे हथियार या दूसरी टेक्नोलॉजी के लिए, जिनका मुख्य उद्देश्य लोगों को चोट पहुंचाने में मदद करना या सीधे तौर पर चोट पहुंचाना हो.
3. ऐसी टेक्नोलॉजी में जो निगरानी करने के मकसद से जानकारी को इकट्ठा और इस्तेमाल करती हों और उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किए गए नियमों का उल्लंघन होता हो.
4. ऐसी टेक्नोलॉजी में जिनकी वजह से, दुनिया भर में स्वीकार किए गए अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और मानवाधिकारों का उल्लंघन होता हो.

इस क्षेत्र में हमारा अनुभव बढ़ने के साथ ही, इस सूची में अन्य मामलों को भी शामिल किया जा सकता है.